नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्रमाणिक पत्रकारिता के जीवंत उदाहरण थे प्रभाष जोशी : हरिवंश

"प्रमाणिक पत्रकारिता के जीवंत उदाहरण थे प्रभाष जोशी। समझ, दृष्टि, भाषा संस्कार, संचार कौशल जैसे विशिष्ट गुणों में प्रभाष जोशी एक आदर्श थे, उनके जैसा अब तक कोई दूसरा नहीं हुआ है। आज बहुत कम लोग हैं जो सही को सही कहने का साहस रखते हैं, प्रभाष जोशी वैसी ही विलक्षण प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व थे, वे जहां भी होते थे सिर्फ उनकी मौजूदगी ही प्रभावपूर्ण होती थी" उक्त बातें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश जी ने हिंदी विश्वविद्यालय के माधवराव सप्रे सभाकक्ष में व्यक्त की।

वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के माधवराव सप्रे सभाकक्ष में आयोजित "पुरोधा संपादकों की कहानी हरिवंश की ज़ुबानी" व्याख्यानमाला के तीसरे और अंतिम दिन आज विलक्षण

प्रतिभावान संपादक और जीवंत पत्रकार प्रभाष जोशी के बारे में चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता राज्यसभा के उपसभापति माननीय हरिवंश जी ने अपने विचार साझा किए, वहीं इस बीज वक्तव्य के पहले हिंदी विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. मनोज कुमार ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि जनसत्ता जैसा वैचारिक पत्र और प्रभाष जोशी सरीखे संपादक बहुत कम हुए हैं। इस अवसर पर विभाग के एडजंक्टप्रोफेसर अरूण कुमार त्रिपाठी भी मंच पर उपस्थित थे जिन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी पत्रकारिता जगत के पुरोधा संपादकों में से एक धर्मवीर भारती यदि हिंदी सिनेमा के दिलीप कुमार थे तो प्रभाष जोशी को भी अमिताभ बच्चन कहा जा सकता है। भोपाल स्थित सप्रे संग्रहालय के संस्थापक अध्यक्ष श्री विजयदत श्रीधर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में उपस्थित पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपको अपने भीतर की उमंग ही एक अच्छा पत्रकार बना सकती है। जनसंचार विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ रेणू सिंह ने मंच का संचालन किया एवं कार्यक्रम के अंत में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो कृपाशंकर चौबे ने उपस्थित मंचासीन अतिथियों एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगणों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया।

व्याख्यानमाला के तीसरे दिन हिंदी पत्रकारिता के पुरोधा संपादकों में से एक श्री प्रभाष जोशी के बारे में अपने संस्मरणों को साझा करते हुए हरिवंश जी ने कहा कि मुल्क के बुनियादी सवालों पर देशज ज्ञान से किसी समस्या का हल निकालने वाला प्रभाष जोशी जैसा दूसरा कोई पत्रकार अभी तक नहीं हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग जन्मजात प्रतिभा के साथ पैदा होते हैं प्रभाष जी भी उनमें से एक थे क्योंकि उन्होंने कोई औपचारिक उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं की थी फिर भी जमीनी हकीकत की लोक समझ रखने वाले ऐसे पत्रकार को मैंने अब तक नहीं देखा है। वे हिंदी पत्रकारिता के अकेले ऐसे संपादक थे जिन्होंने अंग्रेजी अखबार 'इंडियन एक्सप्रेस' के तीन संस्करणों का संपादन किया था। रामनाथ गोयनका के साथ लगभग 20 वर्षों तक काम करने वाले प्रभाष जोशी अकेले संपादक थे।

हरिवंश जी ने बताया कि जो उल्लेखनीय कार्य बिलगेट्स और स्टीव जॉब्स ने अपने-अपने क्षेत्रों में किया है वैसा ही कार्य प्रभाष जोशी ने हिंदी पत्रकारिता जगत में किया है। उन्होंने आगे कहा हिंदी से प्रभाष जी का विशेष लगाव था इसलिए एक बेहतरीन उच्च स्तर के संपादन कार्य के साथ उन्होंने जनसत्ता अखबार की शुरूआत की, जिसकी पंच लाइन 'सबकी खबर ले, सबको खबर दे' वर्तमान में भी प्रासंगिक बनी हुई है। इस अखबार में उनके द्वारा लिखा जाने वाला कॉलम 'कागद कारे' बहुत लोकप्रिय हुआ। कभी धर्मवीर भारती ने जनसत्ता अखबार को देखकर कहा था - यह एक अद्वितीय अखबार है।

कार्यक्रम की शुरूआत पुरोधा संपादकों के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पण से हुई। वहीं इस अवसर पर जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित प्रायोगिक अखबार 'मीडिया समय' की प्रतियां संपादक चंद्रमणि सिंह द्वारा अतिथियों को भेंट की गईं इसके बाद रेडियो और टेलीविजन बुलेटिन का भी प्रसारण सभाकक्ष में किया गया। रेडियो बुलेटिन 'वर्धा वाणी' की प्रस्तुति छात्रा रूचि पांडे द्वारा एवं टेलीविजन बुलेटिन'वर्धा दर्शन' की प्रस्तुति विभाग की छात्रा पूजा पाठक एवं शोधार्थी विकास कुमार द्वारा की गई। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ी लोकगीत एम.ए. की छात्रा रूचि पांडे द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस विद्वत व्याख्यानमाला का आयोजन जनसंचार विभाग द्वारा दिनांक 27 मार्च से 29 मार्च तक आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में माधवराव सप्रे सभाकक्ष में उपस्थित रहे।

मा. संपादक/संवाददाता महोदय,

कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें। धन्यवाद।